

THE MINISTER OF STEEL AND HEAVY INDUSTRIES (SHRI C SUBRAMANIAM) :
Yes, Sir.

BLAST FURNACE FOR PIG IRON IN PUNJAB

*419. SHRI SURJIT SINGH: Will the Minister of STEEL AND HEAVY INDUSTRIES be pleased to state whether Government have considered the feasibility of putting up a blast furnace for pig iron in the State of Punjab?

THE MINISTER OF STEEL AND HEAVY INDUSTRIES (SHRI C. SUBRAMANIAM): Possibility of starting an iron making industry in the State of Punjab is being investigated by the Government of Punjab.

दिल्ली में प्राथमिक और मिडिल कक्षाओं के लिये पाठ्य पुस्तकें

*४२०. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के शिक्षा निदेशक ने अभी हाल में प्राथमिक और मिडिल कक्षाओं की पाठ्य पुस्तकों में कुछ परिवर्तन करने का निश्चय किया है ;

(ख) यदि हाँ, तो इनकी सूचना पुस्तक विक्रेताओं तथा विद्यार्थियों को कब और किस प्रकार दी गई ; और

(ग) कितने विषयों की कितनी पुस्तकें बदली गई हैं ?

BOOKS FOR THE PRIMARY AND MIDDLE CLASSES IN DELHI

*420. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Director of Education, Delhi has recently decided to make some changes in the text books for the primary and middle classes;

(b) if so, when and in what manner the information in this regard was passed on to the booksellers and the students; and

(c) how many books of how many subjects have been changed?]

शिक्षा मंत्री (डा० कालू लाल श्रीमाली):

(क) हाँ ।

(ख) संशोधित की जाने वाली अथवा बदली जाने वाली पुस्तकों का उल्लेख करते हुए एक परिपत्र २० अप्रैल, १९६२ को सभी स्कूलों के प्रधानों को भेजा गया था जिसमें उनसे विद्यार्थियों को इन पुस्तकों के केवल १९६२ के संस्करण खरीदने के लिए सलाह देने का अनुरोध किया गया था । उस परिपत्र का एक-एक प्रति सम्बन्धित प्रकाशकों को भी भेजा गई था ताकि जो पुराना स्टॉक उनके पास अथवा उनसे पुस्तक-विक्रेताओं के पास है, उसकी बिक्री बन्द कर दी जाए ।

(ग) कुल सात पुस्तकें—जिनमें से २ हिन्दी की हैं, ३ सामाजिक अध्ययन की और २ अंग्रेजी की ।

THE MINISTER OF EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) Yes, Sir.

(b) A Circular, indicating the books to be revised and changed, was sent by the Director of Education on 20 th April, 1962 to all Heads of Schools, asking them to advise the students to buy only the 1962 editions of those books. A copy of this Circular was also endorsed to the publishers concerned, asking them to freeze the old stocks with them or their booksellers.

(c) Seven books in all—2 of Hindi, 3 of Social Studies and 2 of English.]

केन्द्रीय सरकार के शिमला स्थित कर्म-चारियों के भत्ते

*४२१. श्री भगवत नारायण भार्गव: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

[] English translation.